



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

12/12/84

सं० 410] नई दिल्ली बहुरूपित्व.र. अक्टूबर 10, 1984/आश्विन 26, 1903
No. 410] NEW DELHI, THURSDAY, OCT. 3, 1984/ASHWIN 26, 1903

इस भाग में हिम पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जगह पर आने के लिए
रखा जा : के

Separate Paging is given to this Part of the Gazette for the purpose of separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिमन्त्रि

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1984

भा. का. नि. 727(अ).—केन्द्रीय सरकार का, कीटनाशी अभिनियम, 1969 (1969 का 46) की भाग 28 के अन्तर्गत धारा 27 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अभिनियम दो धारा 5 के अधीन गठित रजिस्ट्रीकरण समिति से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि मैसर्स भारत पलबराइजिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई द्वारा विनिर्मित एडिफेन्फास 50% ई.सी. (एच.एस.) के अत्यधिक विषाक्त तथा खतरनाक होने के कारण इसके उपयोग

से मानव जाति अथवा मवेशियों को गंभीर क्षति होने की संभावना है, अतः वह इसके इस रजिस्ट्रीकरण समिति द्वारा अधिनियम की धारा 9 के अधीन उनको दिए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या 6-1304(5)/एडिफेनफॉस (ई.सी.)-3 को रद्द करती है।

[सं. 17-55/81-पीपी 1]

आर. के. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October, 1984

G.S.R. 727(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 27, read with section 28 of the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), the Central Government after consultation with the Registration Committee constituted under section 10 of the said Act, is satisfied that the use of Ediphenphos 50 per cent EC(H phos) manufactured by M/s. Bharat Pulverising Mills Private Limited, Bombay, is likely to cause serious risk to human beings or animals on account of its being extremely toxic and hazardous and as such hereby cancels the Certificate of Registration No. VI-1304(5) Ediphenphos (EC)-3 granted to them by the Registration Committee under section 9 of the Act.

[No. 17-55 81-PPI]

R. K. SRIVASTAVA, Jt. Secy.